# अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2021-22

कक्षा -12 वीं

विषय-हिन्दी

A समय - 3 घण्टा पूर्णांक 80

प्रश्न.1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

तत्ववेत्ता शिक्षाविदों के अनुसार विद्या दो प्रकार की होती है। प्रथम वह जो हमें जीवनयापन के लिए अर्जन करना सिखाती है और द्वितीय वह जो हमें जीना सिखाती है। इसमें से एक का भी अभाव जीवन को निरर्थक बना देता है। बिना कमाए, जीवन निर्वाह संभव नहीं । कोई भी नहीं चाहेगा कि वह परावलंबी हो- माता पिता परिवार के किसी भी सदस्य, जाति या समाज पर पहली विद्या से विहीन व्यक्ति का जीवन दूभर हो जाता है, वह दूसरों के लिए भार बन जाता है। साथ ही विद्या के बिना सार्थक जीवन नहीं जिया जा सकता। बहुत अर्जित कर लेने वाले व्यक्ति का जीवन यदि सुचारू रूप से नहीं चल रहा उसमें यदि वह जीवन शक्ति नहीं है जो उसके अपने जीवन को सत्य पथ में अग्रसर करती है। साथ ही वह अपने समाज, जाति और राष्ट्र के लिए भी मार्ग दर्शन करती है, तो उसका जीवन भी मानव जीवन का अभिधान नहीं पा सकता। वह भारवाही गर्दभ बन जाता है या पूंछ सिंग विहीन पशु कहा जाता है।

वर्तमान भारत में दूसरी विद्या का प्राय: अभाव दिखाई देता है, परंतु पहली विद्या का रूप भी विकृत ही है, क्योंकि न तो स्कूल कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करके निकला छात्र जीविकापार्जन के योग्य बन जाता है और न ही वह उन संस्कारों से युक्त हो पाता है, जिनसे व्यक्ति कु से सु बनता है, सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत कहलाने का अधिकारी होता है. वर्तमान शिक्षा पद्धति के अंतर्गत हम जो विद्या प्राप्त कर रहे हैं । उसकी विशेषताओं को सर्वधा नकारा भी नहीं जा सकता. यह शिक्षा कुछ सीमा तक हमारे दृष्टिकोण को विकसित भी करती है। हमारी मनिषा को प्रबुद्ध बनाती है तथा भावनाओं को चेतन करती है, किन्तु कला, शिल्प , प्रौद्योगिकी आदि की शिक्षा नाममात्र की होने के फलस्वरूप इस देश के स्नातक के लिए जीविकोपार्जन टेढ़ी खीर बन जाती है और बृहस्पति बना युवक नौकरी की तलाश में अर्जियां लिखने में ही अपने जीवन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर लेता है।

1 व्यक्ति किस परिस्थितियों में मानव जीवन की उपाधि नहीं पा सकता? (2)

2 विद्या के कौन कौन से दो रूप बताए गए हैं? (2)

3 वर्तमान शिक्षा पद्धति के लाभ व हानि बताइये । (2)

4 विद्याहीन व्यक्ति की समाज में क्या स्थिति होती है? (2)

5 शिक्षित युवकों को अपना बहुमूल्य समय क्यों बर्बाद करना पड़ता है? (2)

https://www.cgboardonline.com

6 संधि विच्छेद कर लिखिए (क) परावलंबी (ख) जीविकोपार्जन (1)

7 उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपर्युक्त शीर्षक लिखिए । (1)

प्रश्न.2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

ये खूनी सड़के ये कातिल राजमार्ग
ये निर्दोष खून के प्यासे हाइवे
जहाँ रोज तड़पाती है
रक्त रंजित धूल धूसरित मानव देहें।
यहाँ रोज बिलकती है
सिर की सिदूरी रेखाएं लुटी हुई गोदें,
पितृत्व सहोदरता मित्रताएं
लेकिन फिर भी नहीं रूकता,
खरा का रफ्तार का मूढ़ उन्माद।
मृत्युन्मुखी उन्मत दौड़
वक्त के साथ रूकती आत्मघाती होड़।
यह कैसी प्रगति है। यह कैसा है विकास
वाहनों से बरसता यह मानवी विनाश।

1. कवि ने सड़कों, राजमार्गों और हाइवे को क्या कहा है और क्यों?
2. कवि ने प्रगति और विकास पर क्या व्यंग्य किया है?
3. सड़कों पर रोज कौन बिलखते हैं?
4. रक्त रंजित धूल धूसरित में प्रयुक्त अलंकार बताइये ।

प्रश्न.3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए (5)

1. वृद्धावस्था की आनन्द एवं कुंठाएं।
2. मँहगाई की समस्या ।
3. स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका
4. जहाँ चाह वहाँ राह।

प्रश्न.4 अपने क्षेत्र में पेयजल की समुचित व्यवस्था हेतु नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए। (4)

अथवा

सार्वजनिक स्थानों पर धुम्रपान निषेध नियम के उल्लंघन को लेकर अपने राज्य के पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए ।

प्रश्न.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो। (4)

1. संपादन के प्रमुख सिद्धांत लिखो।
2. खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं?
3. एंकर बाइट किसे कहते हैं?
4. बेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता किसने शुरू की?

प्रश्न.6 कहानी के तत्वों में संवाद योजना का क्या महत्व है? (3)

प्रश्न.7 एक नाटककार के लिए समय का क्या महत्व है? (3)

प्रश्न.8 पर्यटन का महत्व पर फीचर लिखिए। (3)

प्रश्न.9 खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या विषय पर फीचर लिखिए। (3)

प्रश्न.10 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए (6)

धूत कहौ अवधूत कहौं रजदूतू कहौं
जोलाहा कहौं कोउ।
काहू की बेटी सो बेटा न व्याहब
काहू की जाति निगार न सोउ।।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को,
जाको सचै सो कहै कछु ओउ।
माँगे कै खैबो मसीत को सोइबो,
लैबो को एकु न दैबको दाउ।

1. तुलसीदास ने समाज पर अपना क्षोभ किन शब्दों में व्यक्त किया है?
2. काहू की बेटी सो बेटा न बयाहब के द्वारा तुलसी समाज के लोगों से क्या कहना चाहता है?
3. तुलसीदास राम के कैसे भक्त है? काव्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.11 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (6)

नील जल में या किसी
की गौर झिलमिल देह
और
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

1. प्रस्तुत कव्यांश में कवि ने किस तरह की भाषा शैली का प्रयोग किया है।
2. प्रस्तुत काव्यांश में अलंकारों के सौंदर्य पर प्रकास डालिए।

प्रश्न.12 खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के

(1) सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं? (4)

(2) शीतल वाणी में आग होने का क्या अभिप्राय हैय

प्रश्न.13 अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (6)

जाड़े का दिन अमावश्या की रात ठंडी और काली। मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव भयर्ति शिशु की तरह थर थर काँप रहा था। पुरानी और उजड़ी घांस फूस की झोपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का सम्मिलित साम्राज्य ।अंधेरे और निस्तब्धता।

अंधेरी रात चुपचाप आंसू बहा रही थी। निस्तब्धता करूण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय से ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी, अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिल खिलाकर हंस पड़ते थे।

प्रश्न.1 प्रस्तुत गद्यांश से संबंधित पाठ तथा उसके लेखक का नाम लिखिए ?

प्रश्न.2 इस गद्यांश में लेखक ने गांव में किस विभीषिका का भयंकर वर्णन किया है?

प्रश्न.3 रात्रि की निस्तब्धता को कौन भंग कर रहा था?

प्रश्न.14 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई 2) (4)

1. भारत पाकिस्तान के आपसी संबंधों को सुधारने के लिए दोनों सरकारें प्रयासरत है। व्यक्तिगत तौर पर आप इसमें क्या योगदान दे सकते हैं?
2. आदर्श समाज की तीन विशेषताएं लिखिए ।
3. कहानी के किस किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या क्या परिवर्तन आए?

प्रश्न.15 अपने घर और विद्यालय के आसपास हो रहे उन बदलावों के बारे में लिखे जो सुविधाजनक और आधुनिक होते हुए भी बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते। अच्छा न लगने के क्या कारण होंगे? (3)

प्रश्न.16 सिल्वर वेडिंग की मुख्य समस्या क्या है? (3)

प्रश्न.17 सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरूचि का महत्व अधिक था। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए । (4)

अथवा

पुरातत्व के किन चिन्हों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।

प्रश्न.18 जूझ शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है। (3)

अथवा

डेढ़ साल से घर बैठा बालक आनंदा पुन: पाठशाला कैसे पहुँचा?

https://www.cgboardonline.com